कठिन समय में परमेश्वर के कार्यों को कैसे देखें

राजा दाऊद (भाग 4) — विपत्ति

रविवार संदेश, 27 सितंबर, 2026

हम दाऊद के जीवन के तीसरे चरण पर ध्यान देते हैं, जैसा कि 1 शमूएल अध्याय 19–31 में हमारे लिए दर्ज किया गया है।

यह दाऊद के जीवन की लगभग 10 वर्ष की अवधि है, जब उसकी आयु लगभग 20–30 वर्ष रही होगी।

पिछले रविवार हमने उसके जीवन के इस चरण को "विकास" के दृष्टिकोण से देखा था। इन अत्यन्त कठिन 10 वर्षों के दौरान दाऊद एक व्यक्ति के रूप में कैसे निरन्तर बढ़ता रहा।

आज हम विपत्ति—उन चुनौतियों—को देखते हैं जिनसे दाऊद को होकर गुजरना पड़ा और यह बताते हैं कि दाऊद के जीवन के इस अत्यन्त कठिन समय में भी परमेश्वर कार्य कर रहा था।

हम अपने विश्वास को प्रोत्साहित करना चाहते हैं—यह जानने के लिए कि हमारे जीवन के कठिन समयों में भी परमेश्वर कार्य कर रहा है। हमें यह देखने का प्रयास करना चाहिए कि चुनौतीपूर्ण समयों में परमेश्वर किस प्रकार कार्य कर रहा है।

विपत्ति

गलत कारणों से एक शत्रु

राजा शाऊल दाऊद से अत्यन्त ईर्ष्या करने लगा और भयभीत हो गया। उसने दाऊद का पीछा करना शुरू कर दिया और उसे ढूँढ़कर मार डालने के लिए सैनिक भेजे। शाऊल ने बार-बार दाऊद को मारने का प्रयास किया, और दाऊद इन 10 वर्षों तक भागकर एक भगोड़े के रूप में रहने लगा। वह सभी गलत कारणों से दाऊद का शत्रु बन गया।

शाऊल ने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया और उसने एक दुःखदायक (परेशान करने वाली) आत्मा के लिए द्वार खोल दिया, जिसने उसे क्रोध, गुस्से और हत्या की ओर उकसाया। (**1 शमूएल 18:8-16, 1 शमूएल अध्याय 19–27**)

शाऊल ने यहाँ तक किया कि प्रभु के सभी याजकों को मार डाला, केवल इसलिए कि याजक अहीमेलेक ने दाऊद को भोजन और एक तलवार दी थी। (**1 शमूएल 21**)

शाऊल परमेश्वर से इतना दूर हो चुका था कि परमेश्वर ने उससे बोलने से इनकार कर दिया (**1 शमूएल 28:6**), और शाऊल ने एक ओझा से सलाह लेने का सहारा लिया। (**1 शमूएल 28:7-25**)

फिर भी, जब हम इन 10 वर्षों के दौरान दाऊद के जीवन में हो रही बातों को देखते हैं, तो हम देखते हैं कि परमेश्वर उसके जीवन में अद्भुत रूप से कार्य कर रहा था। यहाँ कुछ मुख्य बातें हैं—और ऐसी बातें जिन्हें हम अपने जीवन में भी देख सकते हैं जब हम चुनौतीपूर्ण समयों से गुजरते हैं।

#1, उन लोगों को पहचानें जिन्हें परमेश्वर आपके चारों ओर स्थापित कर रहा है

राजा शाऊल का पुत्र योनातान दाऊद का वाचा का मित्र बन गया और उसने दाऊद को अपने प्राण बचाकर भागने में सहायता की। जब दाऊद जीप के जंगल में एक भगोड़े के रूप में रह रहा था, तब भी योनातान ने उसकी सहायता की। (**1 शमूएल 19, 20; 23:14-18**) योनातान ने दाऊद को याद दिलाया कि परमेश्वर ने कहा है कि दाऊद राजा होगा:

“तब शाऊल का पुत्र योनातान उठा, और जंगल में दाऊद के पास जाकर परमेश्वर में उसके हाथ को दृढ़ किया।” (**1 शमूएल 23:16**)

चुनौतीपूर्ण समयों में भी सार्थक सम्बन्ध विकसित करें।

सच्ची मित्रता की वफादारी किसी भी अन्य चीज़ से अधिक मूल्यवान है। सच्चे मित्र तब आपके साथ रहते हैं, जब बाकी सब विफल हो जाता है। (**नीतिवचन 17:17; नीतिवचन 18:24; नीतिवचन 27:10**)

याजक अब्यातार सुरक्षा पाने के लिए दाऊद के पास गया। दाऊद ने उसे सुरक्षा देने का आश्वासन दिया। महत्वपूर्ण बात यह थी कि अब्यातार अपने साथ याजक का एपोद लेकर आया था। एपोद एक याजकीय वस्त्र था जिसे महायाजक पहना करता था। निर्गमन 28 अध्याय एपोद और, विशेष रूप से, उससे जुड़े न्याय के वक्षपट का वर्णन करता है। वक्षपट में ऊरीम और तुम्मीम थे, जिनके द्वारा याजक परमेश्वर से पूछताछ कर सकता था। इसलिए, जब भी दाऊद को परमेश्वर से दिशा की आवश्यकता होती और वह परमेश्वर से पूछना चाहता, तो वह याजक अब्यातार को बुलाता, जो दाऊद की ओर से यहोवा से पूछने के लिए एपोद का उपयोग करता था। (**1 शमूएल 23:9; 1 शमूएल 30:7**)

कठिन समयों में परमेश्वर जिन लोगों को आपके जीवन में भेजता है, वे आपके जीवन के लिए परमेश्वर की दिशा को समझने में आपकी सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

#2, पिछली विजयों की याद दिलाने वाली बातों को पहचानें

गोलियत की तलवार — **1 शमूएल 21:8-9**। जब दाऊद अपने प्राण बचाकर भाग रहा था और नोब में याजक अहीमेलेक के पास गया, तब उसके पास कोई हथियार नहीं था। उस समय याजक ने उसे गोलियत की तलवार दे दी। कल्पना करने का प्रयास करें कि उस क्षण दाऊद ने कैसा अनुभव किया होगा... अपने प्राण बचाकर भाग रहा था, फिर भी उसे याद दिलाया गया कि गोलियत को मारने में प्रभु ने उसकी सहायता की थी!

अबीगैल, नाबाल की पत्नी के द्वारा भविष्यद्वाणी के वचन की याद — **1 शमूएल 25:28-31**। एक अन्य अवसर पर, अबीगैल दाऊद को याद दिलाती है कि जब उसने प्रभु की लड़ाइयाँ लड़ीं, तब प्रभु ने दाऊद के द्वारा अतीत में क्या किया था और पूरा इस्राएल दाऊद का सम्मान करता था। यह भी दाऊद के लिए एक शक्तिशाली प्रोत्साहन रहा होगा कि उसे प्रभु के किए हुए कार्य की याद दिलाई गई।

अपने जीवन में परमेश्वर ने जो कुछ किया है, उसकी याद दिलाने वाली बातों को पहचानें। ये परमेश्वर के दिव्य आश्वासन हैं कि वह अभी भी आपके जीवन में कार्य कर रहा है।

#3, पहचानें कि जब सब कुछ आपसे छीन लिया जा रहा हो, तब भी परमेश्वर आपके भविष्य को कैसे बना रहा है

अदुल्लाम की गुफा में दाऊद के पास आए 400 लोग, जो निराश, असन्तुष्ट और कर्ज़ में थे, अन्ततः दाऊद के शूरवीर बन गए। (**1 शमूएल 22:1-2; 2 शमूएल 23:8-22**) परमेश्वर दाऊद और इन लोगों के लिए बातें तैयार कर रहा था—तब भी जब दाऊद एक भगोड़े के रूप में भाग रहा था!

पहचानें कि विपत्ति के बीच भी परमेश्वर एक महान भविष्य के लिए चीज़ों को व्यवस्थित कर रहा है।

#4, जल्दबाजी में किए गए कार्यों से परमेश्वर की सुरक्षा को पहचानें

1 शमूएल 25 में हम एक घटना पढ़ते हैं जहाँ दाऊद एक धनी व्यक्ति नाबाल को मार डालने के लिए तैयार था, केवल इसलिए कि उसे लगा कि नाबाल ने अपने चरवाहों की रक्षा करने के लिए दाऊद और उसके लोगों की सराहना नहीं की। दाऊद ऐसा करने के बहुत निकट था, तभी नाबाल की पत्नी अबीगैल ने हस्तक्षेप किया। वास्तव में यह परमेश्वर की ओर से दाऊद की जल्दबाजी में किए गए कार्य से सुरक्षा थी—ऐसा कार्य जिसके लिए बाद में उसे पछताना पड़ता।

पहचानें कि कठिन समयों से गुजरते हुए परमेश्वर किस प्रकार आपका मार्गदर्शन कर रहा है, आपकी रक्षा कर रहा है, आपके कदमों को स्थिर कर रहा है और आपको गलतियाँ करने से बचा रहा है।

#5, परमेश्वर को सब कुछ और उससे भी अधिक वापस दिलाने में आपकी सहायता करते हुए पहचानें!

अमालेकियों द्वारा सिकलग से छीन ली गई हर वस्तु को दाऊद द्वारा वापस प्राप्त करने की कहानी प्रेरणादायक है। **1 शमूएल 30:1-8, 18-19**

जिस प्रकार दाऊद ने सब कुछ वापस प्राप्त किया, उसी प्रकार आप भी सब कुछ और उससे भी अधिक वापस प्राप्त करेंगे।

परमेश्वर में स्वयं को दृढ़ करें।

परमेश्वर से रणनीतियाँ माँगें।

सफलता परमेश्वर द्वारा दी जाएगी।

विपत्ति के अपने समय में परमेश्वर द्वारा दी गई विजयों और सफलता को पहचानें।

दाऊद के "विपत्ति" के मुख्य भजन:

शाऊल के अधीन भगोड़े के रूप में दाऊद के वर्ष, उसके शूरवीरों का गठन, शाऊल को मारने से उसका इनकार, और परमेश्वर में स्वयं को दृढ़ करना। यह वह चरण है जिसके लिए हमारे पास सबसे मजबूत ऐतिहासिक प्रमाण हैं। ये ऐतिहासिक सम्बन्ध विशेष रूप से भजन के शीर्षकों में अच्छी तरह स्थापित हैं और ऐतिहासिक-भजन अध्ययनों में संक्षेपित किए गए हैं। वास्तव में कई भजनों के शीर्षकों में उन परिस्थितियों की पहचान की गई है जिनमें वे लिखे गए थे।

भजन 7: यह भजन अक्सर शाऊल के शासनकाल के दौरान दाऊद के उत्पीड़न से जोड़ा जाता है।

भजन 34: अबीमेलेक/गत के राजा के सामने पागल होने का दिखावा करने के बाद दाऊद का छुटकारा। (1 शमूएल 21:10-15)

भजन 52: एदोमी दोएग द्वारा शाऊल को अहीमेलेक के पास दाऊद की भेंट के बारे में बताना। (1 शमूएल 22:9-19)

भजन 54: जीपीयों द्वारा शाऊल को दाऊद के बारे में बताना। (1 शमूएल 23:19)

भजन 56: गत में दाऊद, जब पलिश्तियों ने उसे पकड़ लिया। (1 शमूएल 21:10-11)

भजन 57: दाऊद का शाऊल से भागकर गुफा में जाना। (1 शमूएल 22:1 / 24:3)

भजन 59: शाऊल द्वारा दाऊद के घर पर निगरानी रखने और उसे मार डालने के लिए लोगों को भेजना। (1 शमूएल 19:11)

भजन 63: यहूदा के जंगल में दाऊद। यह सामान्यतः दाऊद के जंगल के अनुभव से जुड़ा हुआ है, यद्यपि इसकी सटीक अवधि पर मतभेद है।

भजन 142: गुफा में दाऊद की प्रार्थना। इसे अक्सर अदुल्लाम के समय से जोड़ा जाता है।

दाऊद के अन्य सम्भावित विपत्ति के भजन:

भजन 31, 64, 69, 70, 86, 109, 140, 141, 143